ST ALOYSIUS
(DEEMED TO BE UNIVERSITY)
MANGALURU 575 003 - INDIA

SYLLABUS FOR PHD ENTRENCE EXAM

DEPARTMENT : HINDI

PART –I RESEARCH METHODOLOGY

इकाई 1

शोध : अर्थ, परभाषा एवं स्वरूप (Research: Meaning, Definition & Concept)

इकाई 2

शोध : पद्धति एवं प्रकार (Research: Methods & Types)

इकाई 3

अनुसंधान और आलोचना : (Research and Criticism)

इकाई 4

शोध प्रक्रिया (Research Process)

विषय चयन, शोध प्रबंध की रूपरेखा, परीक्षण तथा सर्वेक्षण (Subject title selection, Format of Thesis, Testing and Survey) सामग्री संकलन, वर्गीकरण, विश्लेषण एवं सेमिनार प्रस्तुति (Data Collection, Classification, Analysis and Seminar presentation)

इकाई 5 शोध प्रबंध समाहार (Conclusion of thesis)

उद्धरण, पाद टिप्पणी एवं संदर्भ ग्रंथ सूची (Quotation, Reference and Bibliography)

सहायक ग्रंथ :

- सिंह विजयपाल. (1990). हिन्दी अनुसंधान. लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद.
- गणेशन. (1990). अनुसंधान प्रविधि. लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद.

- सिंह कन्हैया. (1990). हिन्दी पाठानुसंधान. लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद.
- सूरती उर्वशी. (1973). अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप. हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर बम्बई.
- जैन रवीन्द्र कुमार. (2008). साहित्यिक सुनसंधान के आयाम. नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली.

PART –I I DOMAIN SPECIFIC

इकाई 1

हिन्दी भाषा और उसका विकास : अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलियाँ वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण ।

हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी।.

हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूप बोली, मानकभाषा, सम्पर्कभार राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी ।

इकाई 2

हिन्दी साहित्य का इतिहास : हिन्दी साहित्य का इतिहास-दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ ।

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण ।

आदिकाल: हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब और कैसे ? रासो-साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य ।

मध्यकाल : भक्ति-आन्दोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य ।

इकाई 3

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाए

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख **उपन्यासकार :** जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी ।

हिन्दी कहानी : बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहाँनी आन्दोलन ।

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियाँ अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अंधायुग, आधे-अधूरे, आठवां सर्ग, हिन्दी एकांकी ।

हिन्दी निबन्ध : हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार कुबेरनाथ राय, विघानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई । रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी,

हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ० नगेन्द्र, डॉ० नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही।

हिन्दी की अन्य गघ विधाएँ: रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज्ज ।

सहायक ग्रंथ :

- **हिन्दी भाषा और उसका विकास**

  1.तिवारी, उदय नारायण.
  हिंदी भाषा का विकास.
  वाराणसी: नागरी प्रचारिणी सभा, 2004.

  2. त्रिपाठी, हृदयनाथ.
  हिंदी भाषा: उद्भव, विकास और स्वरूप.
  दिल्ली: लोकभारती प्रकाशन, 2011.

  3. नगेन्द्र.
  हिंदी भाषा और उसका विकास.
  दिल्ली: साहित्य भवन, 1998.

  4. दास, श्यामसुंदर.
  हिंदी का इतिहास.
  वाराणसी: नागरी प्रचारिणी सभा, 2002.

5. यादव, राजेन्द्र.

भारतीय भाषाएँ और हिंदी.

दिल्ली: राजकमल प्रकाशन, 2006.

- **हिंदी साहित्य का इतिहास**

1.शुक्ल, रामचंद्र.

हिंदी साहित्य का इतिहास.

वाराणसी: नागरी प्रचारिणी सभा, 1994 (मूल संस्करण 1929).

(यह हिंदी साहित्य के इतिहास की पहली सुव्यवस्थित व वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लिखी गई पुस्तक मानी जाती है।)

2. द्विवेदी, हजारीप्रसाद.

हिंदी साहित्य की भूमिका.

दिल्ली: राजकमल प्रकाशन, 2001.

(साहित्य की ऐतिहासिक समझ के साथ सांस्कृतिक विश्लेषण का संगम।)

3. जैनेन्द्र कुमार.

हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास.

दिल्ली: लोकभारती प्रकाशन, 2008.

(छात्रों और प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए उपयुक्त।)

4. मिश्र, नामवर सिंह.

आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास.

दिल्ली: राजकमल प्रकाशन, 2012.

(विशेष रूप से आधुनिक युग के साहित्यिक विकास पर केंद्रित।)

5. पंडित, रामनारायण.

हिंदी साहित्य का सामाजिक इतिहास.

दिल्ली: साहित्य भवन, 2010.

(साहित्य और समाज के अंतर्संबंध पर आधारित इतिहास।)

- **हिंदी साहित्य की गद्य विधियां**

  1.द्विवेदी, हजारीप्रसाद.

  हिंदी गद्य साहित्य की भूमिका.

  दिल्ली: राजकमल प्रकाशन, 2005.

  (हिंदी गद्य के विकास और उसकी विविध विधाओं की विवेचना।)

  2. सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी.

  हिंदी गद्य की विकास यात्रा.

  इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन, 2008.

  (निबंध, कथा, उपन्यास, आत्मकथा आदि गद्य विधाओं का क्रमिक अध्ययन।)

  3. शर्मा, रामचंद्र.

  हिंदी गद्य साहित्य: स्वरूप और विकास.

  दिल्ली: साहित्य भवन, 2011.

  (गद्य विधाओं का तुलनात्मक और ऐतिहासिक अध्ययन।)

  4. गुप्त, रामचंद्र शुक्ल.

  निबंध और गद्य साहित्य.

  वाराणसी: नागरी प्रचारिणी सभा, 1992.

  (विशेष रूप से हिंदी निबंध विधा पर केंद्रित, लेकिन अन्य गद्य रूपों की भी चर्चा है।

  5. त्रिपाठी, हृदयनाथ.

  हिंदी की प्रमुख गद्य विधाएँ.

  दिल्ली: विद्यार्थी ग्रंथालय, 2013.

  (आलोचना, रिपोर्ताज, आत्मकथा, यात्रा-वृत्तांत आदि पर स्पष्ट विवेचन।)